भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 857

दिनांक 26 जुलाई, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

केरल में अमीबिक मेनिंगोसेफलाइटिस के मामले

†857. श्री हैबी ईडन:

श्री के. सी. वेणुगोपाल:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने केरल में हाल ही में हुए अमीबिक मेनिंगोसेफलाइटिस मामलों के विशिष्ट कारणों की पहचान की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या केरल और अन्य क्षेत्रों में अमीबिक मेनिंगोसेफलाइटिस के प्रसार को नियंत्रित करने और रोकने के लिए सरकार द्वारा तैयारियां की जा रही हैं तथा निवारक उपाय लागू किए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार रोग के प्रकोप के प्रबंधन और जांच में सहायता के लिए केरल में एक विशेषज्ञ दल भेजने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने अमीबिक मेनिंगोसेफलाइटिस, इसके कारणों, लक्षणों और निवारक उपायों के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए कोई अभियान शुरू किया है/करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या रोग की रोकथाम और उपचारात्मक उपायों के संबंध में केरल सरकार को कोई दिशा-निर्देश दिए गए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ): उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पांच बच्चों के नैदानिक परीक्षण के परिणाम में मोटाइल अमीबा दर्शाने वाला तीव्र इंसेफेलाइटिस और सेरेब्रो स्पाइनल फ्लूड (सीएसएफ) गतिशील अमीबा पाया गया। पांच में से तीन मामलों में वर्मामोइबा वर्मीफॉर्मिस की माइक्रोबायोलॉजिकल विशेषताएं पाई गईं और एक मामले में पीसीआर परीक्षण करने पर नेग्लेरिया फाउलेरी के रूप में पुष्टि हुई।

एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) द्वारा जारी मीडिया अलर्ट के आधार पर मंत्रालय ने कोझिकोड स्थित राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) शाखा की केंद्रीय निगरानी इकाई (सीएसयू) और राज्य/जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर मामलों का संयुक्त मूल्यांकन किया। केरल सरकार की रोग निगरानी टीम मामलों की बारीकी से निगरानी और जांच कर रही है। आवश्यकता के अनुसार, इसके लिए केंद्रीय विशेषज्ञ टीम को नियुक्त किया जाएगा।

राज्य सरकार आम जनता को अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस, इसके कारण, लक्षण और निवारक उपायों के बारे में शिक्षित करने के लिए सूचना शिक्षा और संप्रेषण (आईईसी) अभियान चला रही है। राज्य में अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस के मामलों की रिपोर्टिंग के संदर्भ में, इस रोग के प्रभावी नियंत्रण और प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए, केरल सरकार ने "केरल में अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस की रोकथाम, निदान और उपचार के संबंध में तकनीकी दिशानिर्देश" भी जारी किए हैं, जो https://dhs.kerala.gov.in/wp-content/uploads/2024/07/GO-Rt-1760-2024-HFWD-dated-20-07-2024-with-Annexure_Technical-Guidelines-_Amoebic-Meningoencephalitis.pdf. पर उपलब्ध हैं।

*****